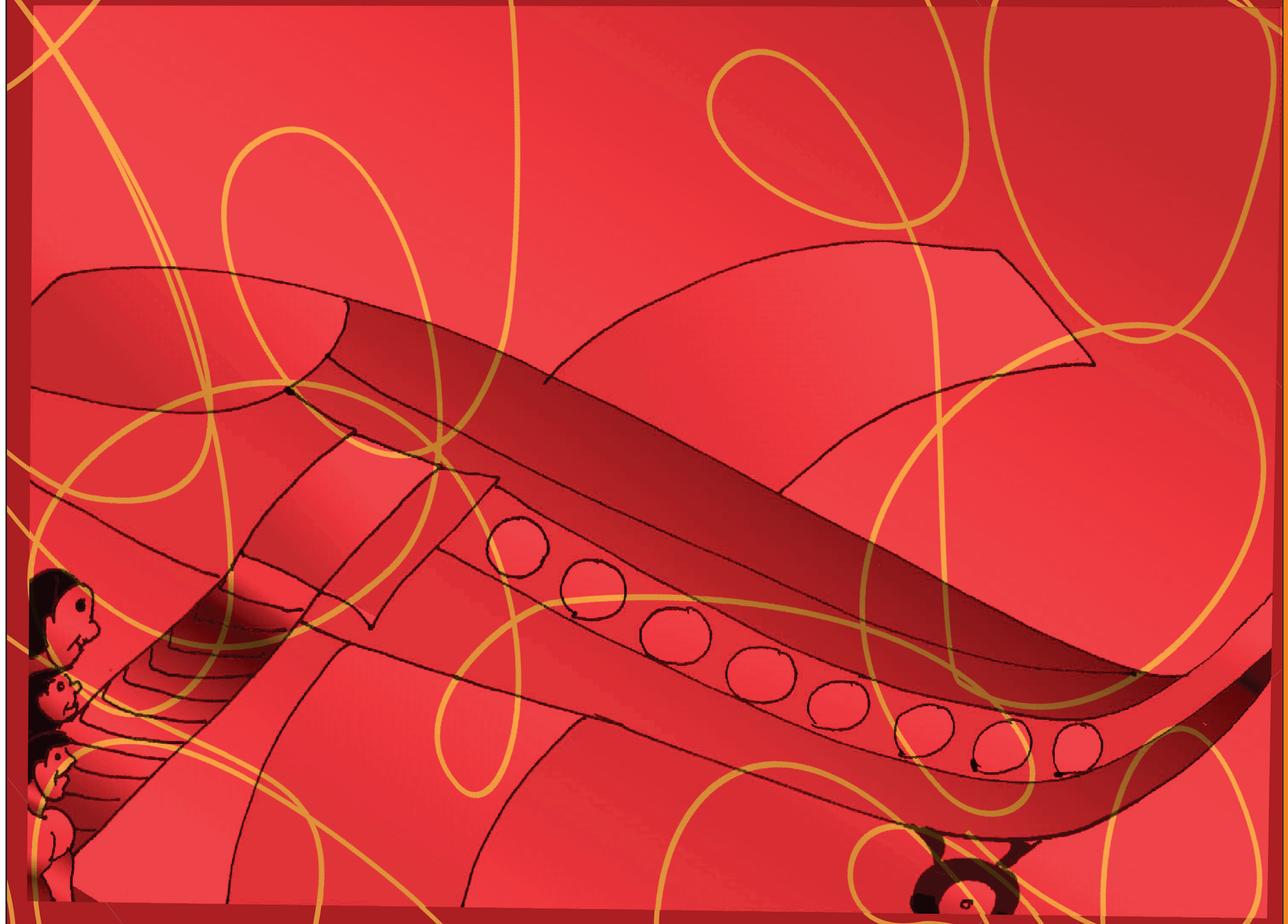

यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

14

लंदन की यात्रा

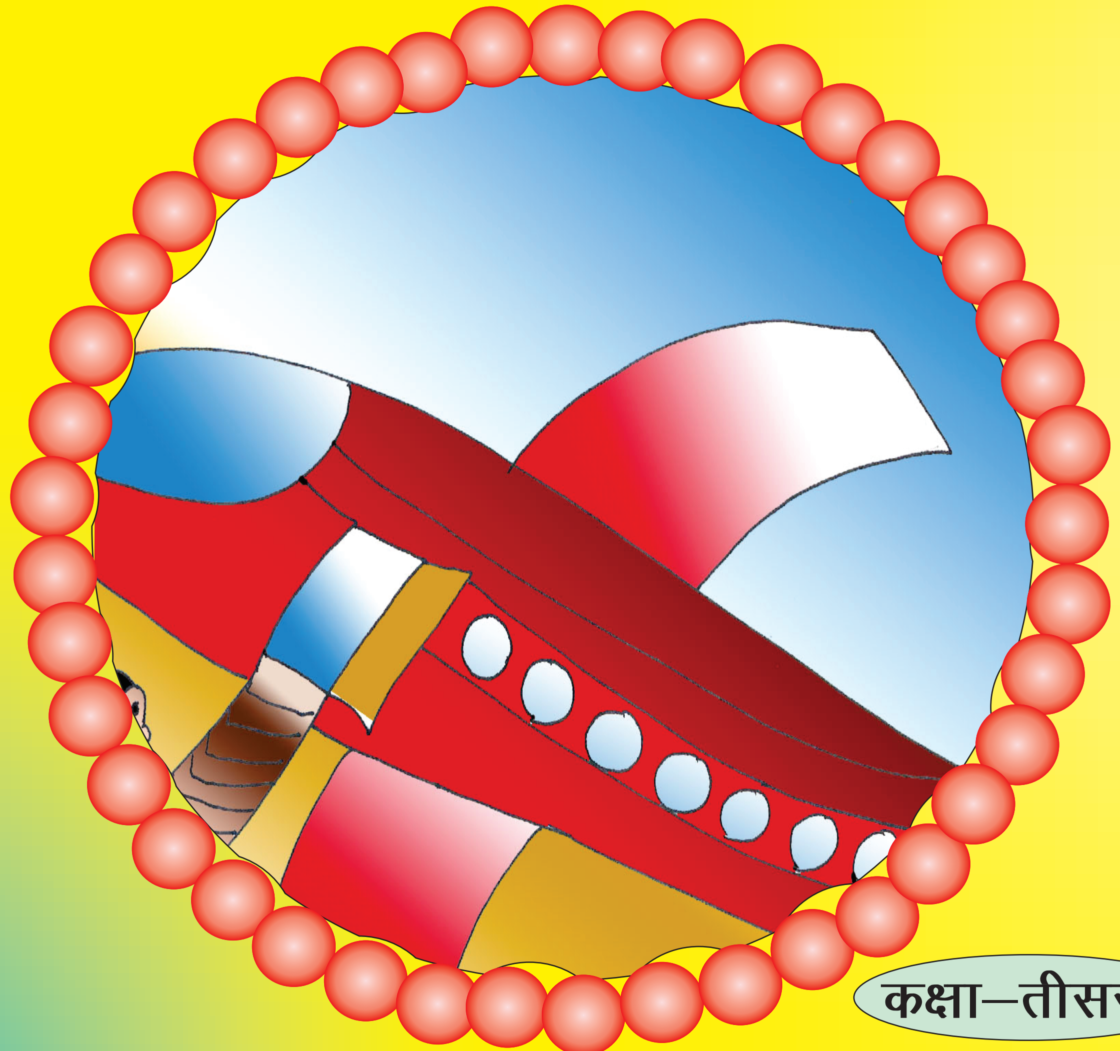

कक्षा–तीसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

सुष्मिता, प्रकाश और हर्ष लंदन जाना चाहते थे। लेकिन किसमें जाएँ, कैसे जाएँ, उन्हें पता नहीं था।

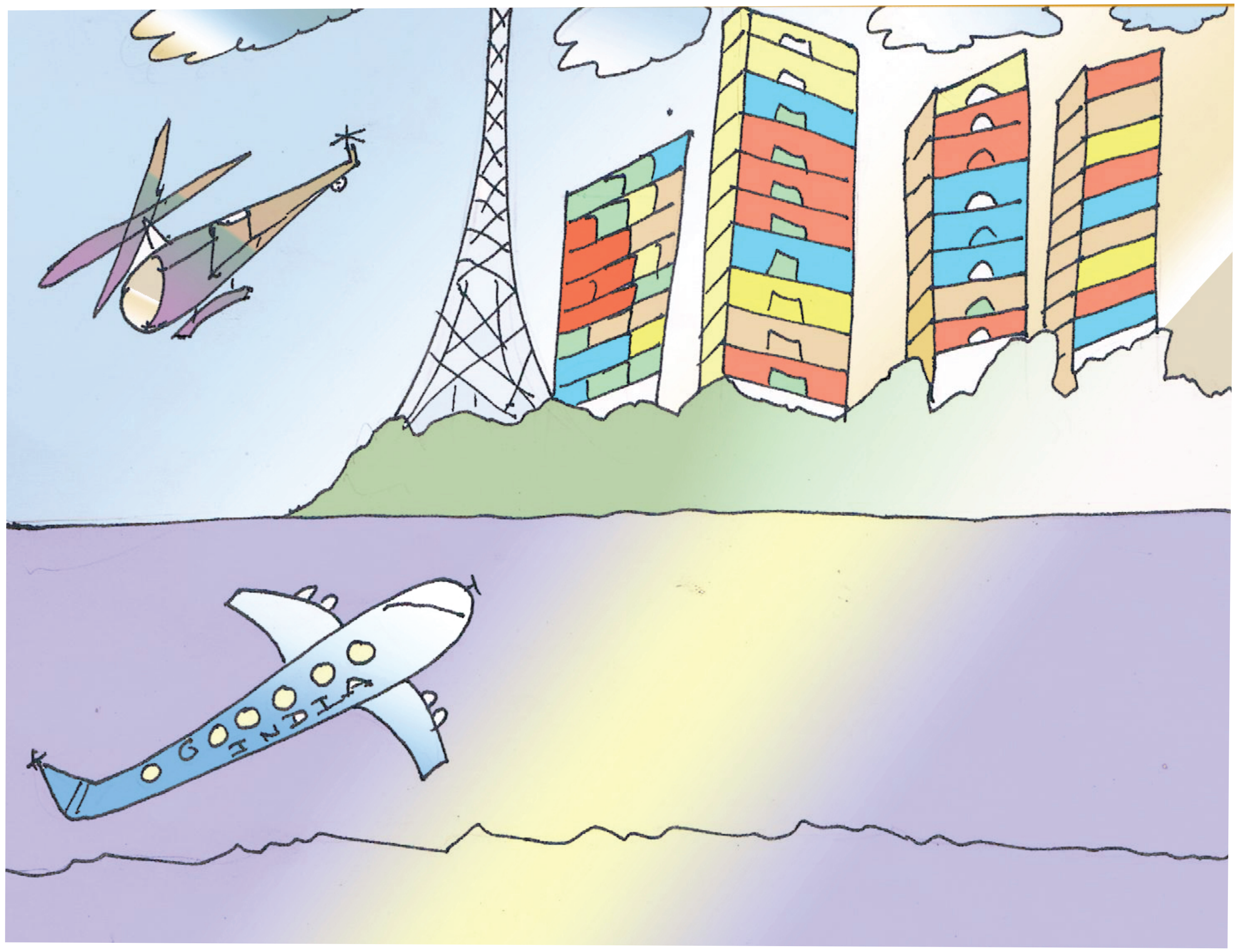

सुष्मिता, प्रकाश और हर्ष तीनों हवाई जहाज से लंदन पहुँचे। लंदन की सैर करके उन्हें बहुत मजा आया।

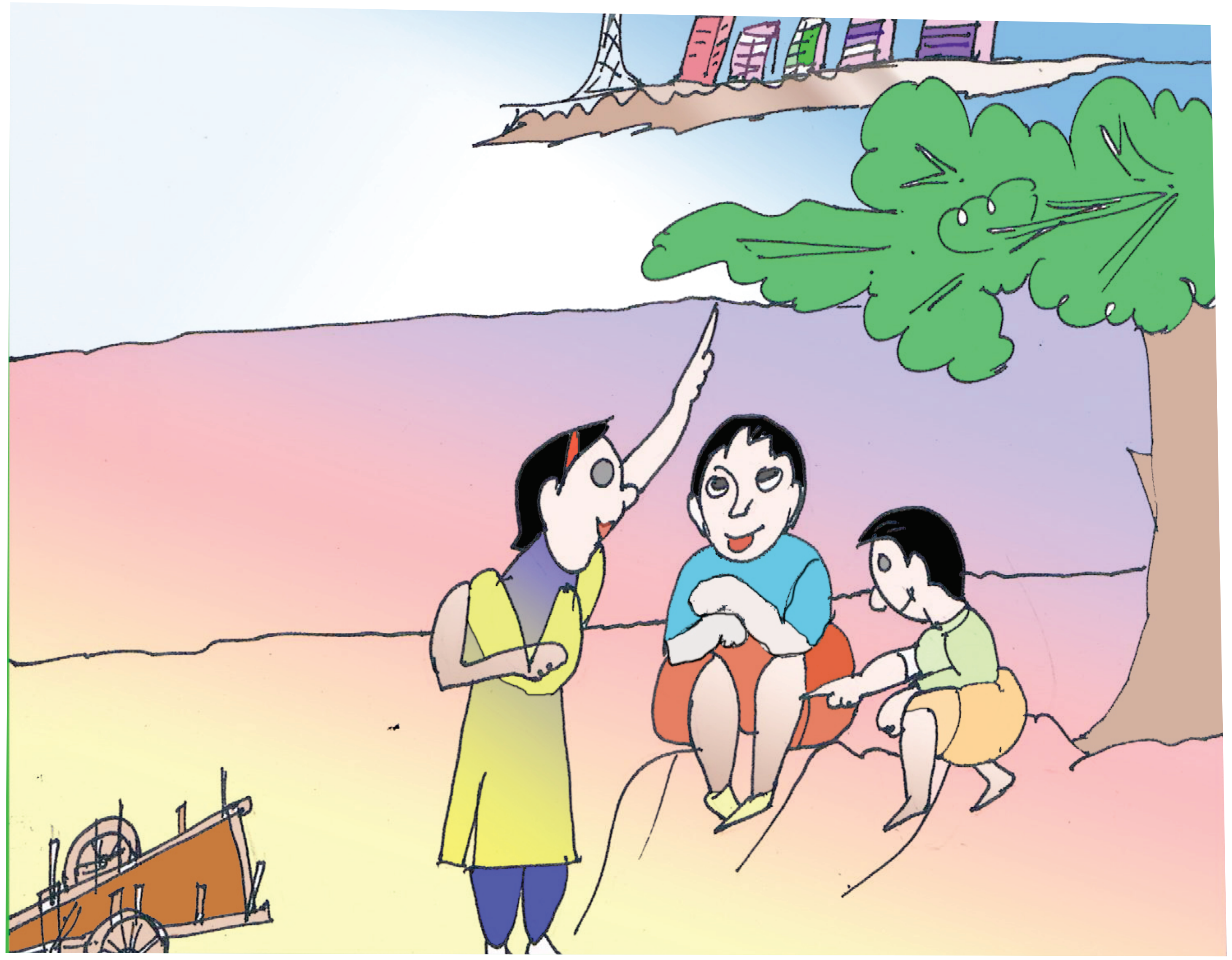

वे पानीजहाज वाले के पास गए। जहाज के कप्तान ने कहा–''बेटे, लंदन पहुँचने में एक माह लग सकता है। जाना है तो बोलो।''
तीनों बोले–''हमें जल्दी पहुँचना है।''

वे बैलगाड़ी के पास गए। गाड़ीवान ने कहा–''बेटे, बैलगाड़ी धीरे–धीरे चलती है। वर्षों लग सकते हैं। कोई दूसरा साधन देखो।''

तीनों बस वाले के पास गए। बस ड्राइवर ने कहा–''लंदन जाने के लिए सड़क मार्ग नहीं है।''
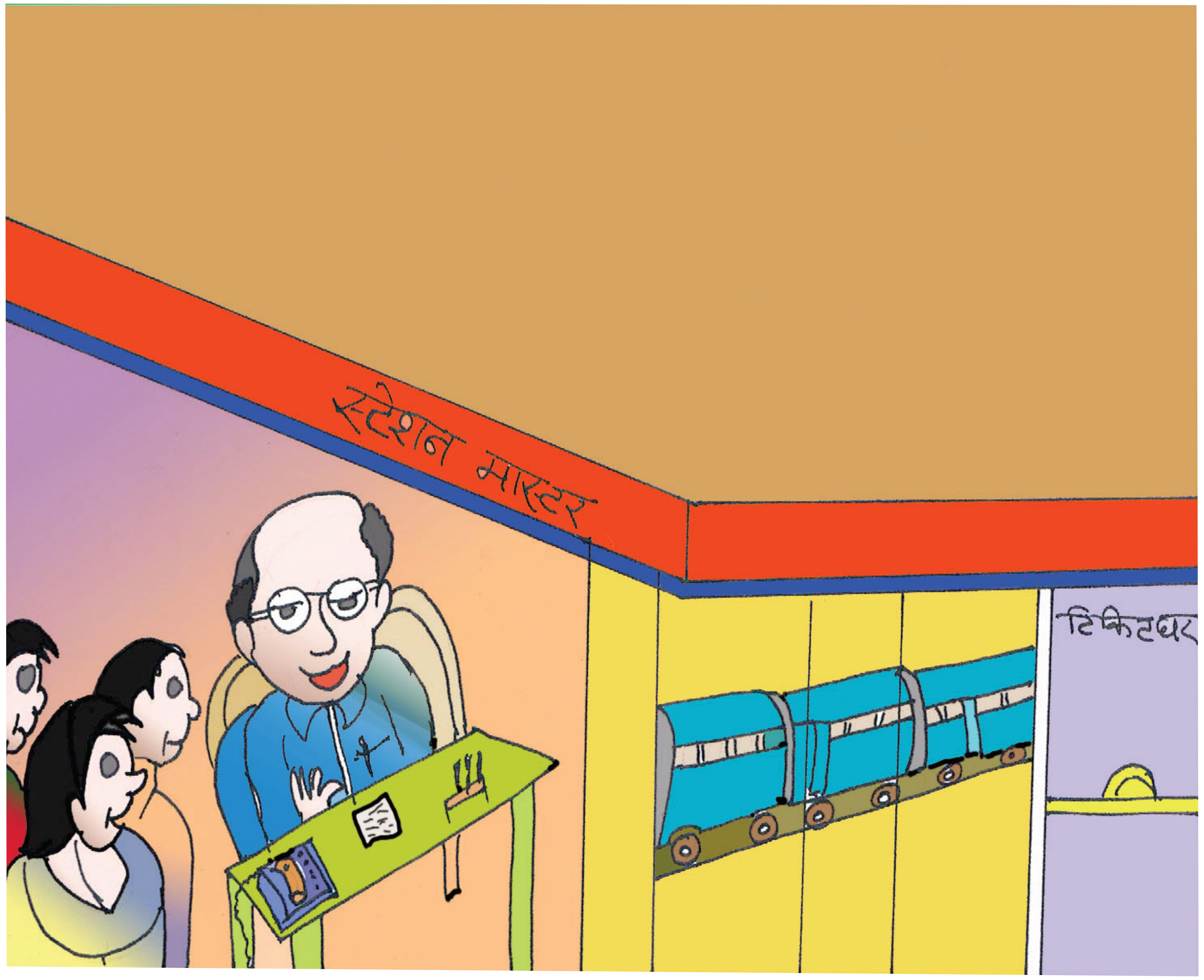
सभी ट्रेन वाले के पास गए। स्टेशन मास्टर ने कहा–''बेटे, लंदन जाने के लिए जमीनी रास्ता नहीं है।''